मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 176, मुंबई, शुक्रवार, 19 अगस्त, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

महाराष्ट्र में बोट पर मिलीं तीन एके-47

मस्कट से यूरोप जा रही थी ऑस्ट्रेलियाई बोट, हाई टाइड से भारत पहुंची

दुबई की एजेंसी के थे हथियार

आतंकी साजिश से इनकार नहीं: पुलिस

पुलिस ने इस घटना के पीछे आतंकी साजिश से इनकार नहीं किया है। स्थानीय लोगों से पूछताछ की जा रही है। इसके साथ ही पूरे रायगढ़ जिले को हाई अलर्ट पर रखा गया है। साथ ही समुद्र किनारे के सभी इलाकों की नाकेबंदी कर दी गई है। मौके पर एंटी टेरर स्क्वॉड (एटीएस) भी पहुंच गई है। एटीएस चीफ विनीत अग्रवाल ने कहा कि ये आतंकी साजिश भी हो सकती है। बोट दूसरे देश की है या नहीं और इसका मकसद क्या था, हम इसकी भी जांच करेंगे।

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के हरिहरेश्वर तट पर गुरुवार सुबह 8 बजे के करीब समुद्र में एक संदिग्ध बोट मिली। बोट से तीन अड-47 और बुलेट्स बरामद किए गए। हरिहरेश्वर तट से करीब 32 किलोमीटर दूर भारदखोल में एक लाइफ बोट भी मिली, जिसके बाद आतंकी साजिश की आशंका जताई गई। पुलिस ने बोट को रस्सी के सहारे किनारे खींचा। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

मुंबई पुलिस ने छापेमारी कर जब्त किए 2435 करोड़ के ड्रग्स

संवाददाता

मुंबई। मुंबई पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल ने 2 बार की छापेमारी में लगभग 2435 करोड रुपए के ड्रग्स को बरामद किया है। वहीं 7 आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं। इसमें से पांच न्यायिक हिरासत में हैं तो वहीं दो आरोपी पुलिस हिरासत में हैं। दरअसल मामला इसी साल 29 मार्च का है जब पुलिस ने गुप्तचर से मिली सूचना के आधार पर मुंबई के गोवंडी इलाके में छापेमारी की और वहां पर समीउल्ला खान नाम के एक ड्रग्स पेडलर को पकड़ा जिसके पास ढाई सौ ग्राम ड्रग्स बरामद हुई। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

7 गिरफ्तार

गुजरात में भी की गई छापेमारी कार्रवाई

जांच और आगे बढ़ी पुलिस को आरोपी नंबर 5 प्रेम शंकर सिंह ने जानकारी दी कि गुजरात के अंकलेश्वर से वह बड़े पैमाने पर ड्रग्स बनवाता है। उसके बाद पुलिस ने 13 अगस्त के दिन गुजरात के अंकलेश्वर में छापेमारी की और वहां गिरिराज दीक्षित नाम के व्यक्ति को गिरफ्तार किया। जिसके पास से पुलिस को 513 किलो से ज्यादा ड्रग्स बरामद हुई जिसकी बाजार में कीमत लगभग 1026 करोड रुपए बताई जा रही है।

मुंबई सबसे बड़ा ड्रग्स का मार्केटः पुलिस ने अब तक 1218 किलो ड्रग्स बरामद किया है। जिसकी कुल कीमत 2435 करोड़ रुपए हैं। इस पूरे मामले में 7 लोगों की गिरफ्तारी हुई जिसमें से पांच को न्यायिक हिरासत हो चुकी है जबकि आरोपी प्रेम शंकर सिंह और आरोपी गिरिराज दीक्षित पुलिस हिरासत में हैं। पुलिस इनसे जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही थी आखिर इतनी बड़ी खेप जाती कहां थी। सूत्रों की माने तो मुंबई सबसे बड़ा ड्रग्स का मार्केट है जहां सबसे ज्यादा खपत होती है लेकिन कोरोना काल में ड्रग्स की बिक्री नहीं हो पाई जिस वजह से इन आरोपियों के पास स्टॉक ज्यादा इकट्ठा हो गया और उधर पुलिस के गुप्तचरों ने पुलिस को जानकारी दी जिसके बाद एक से एक कड़ियां जुड़ती गई और पूरा पर्दाफाश हुआ।

शिंदे सरकार ने दही हांडी को दिया खेल का दर्जा

गोविंदाओं को नौकरियों में मिलेगा आरक्षण

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। दही हांडी को महाराष्ट्र सरकार ने कबड्डी और खो-खो की तरह खेल का दर्जा दिया है। दही हांडी अब राज्य में एडवेंचर स्पोर्ट्स के एक प्रकार के तौर पर पहचाना जाएगा। दही हांडी में शामिल होने वाले गोविंदाओं को सरकारी योजनाओं का लाभ भी मिलेगा। गोविंदा अब से सरकारी नौकरियों में 5 फीसदी आरक्षण का लाभ पाने के हकदार भी होंगे। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने गुरुवार को विधानसभा में यह घोषणा की। सीएम शिंदे ने यह भी घोषणा की कि जल्दी ही प्रो कबड्डी के नियमों के आधार पर राज्य में दही हांडी प्रतिस्पर्द्धा भी शुरू की जाएगी। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

श्रीलंका में चीन

भारत और अमेरिका के न चाहने के बावजूद श्रीलंका के हंबनटोटा बंदरगाह पर चीनी पोत का पहुंचना अगर चिंता की एक वजह बन गया है, तो कोई आश्चर्य नहीं। इसे एक हाई-टेक अनुसंधान पोत बताया जा रहा है, लेकिन वास्तव में इसकी कमान चीनी सेना के पास रहती है। चीनी सेना के दिशा-निर्देशों पर चलने वाले पोत को चीन अपने शोध अभियान का हिस्सा बता रहा है, लेकिन श्रीलंकाई राष्ट्रपति के प्रतिनिधि ने इसे शांति अभियान का हिस्सा बता दिया है। हालांकि, 222 मीटर लंबे इस पोत पर 2,000 से ज्यादा लोग सवार हैं, क्या ये सभी वैज्ञानिक हैं? क्या वे श्रीलंका के करीब के समुद्र पर शोध के लिए निकले हैं? क्या चीन के पास समुद्री शोध के लिए और जगह नहीं है? सैटेलाइट, एंटीना और रडार से लैस इस युआन वांग-5 नामक पोत के प्रति क्या भारत की चिंता अतिरेक है? वैसे चीन के जवाब को देखें, तो वह आश्वस्त करने की कोशिश के साथ-साथ चेतावनी की भाषा बोलते हुए तनिक भी हिचक नहीं रहा है। उसके श्रीलंका पदस्थ राजदूत ने हंबनटोटा में कहा है कि पोत की गतिविधियों से किसी भी देश की सुरक्षा प्रभावित नहीं होगी और किसी भी 'तीसरे पक्ष' द्वारा इसे 'बाधित' नहीं किया जाना चाहिए। वास्तव में, इस विशालकाय पोत से भारत को प्रत्यक्ष खतरा यह है कि यह पोत भारत में ओडिशा तक नजर रख सकता है। परोक्ष खतरा यह है कि इससे भारत समुद्री मोर्चे पर सामरिक रूप से न सही, रणनीतिक रूप से असहज होने जा रहा है। चीन जब भारत से लगती सीमा पर लगातार तनाव बनाए हुए है, तब दक्षिण में हंबनटोटा में उसकी मौजूदगी अगर अमेरिका को भी चिंतित कर रही है, तो भारतीय रणनीतिकारों को ज्यादा सचेत हो जाना चाहिए। चीनी सेना के लिए जासूसी करने वाले पोत को अगर श्रीलंका ने बार-बार आने या ज्यादा दिन तक टिकने की मंजूरी दी, तो भारत के लिए शायद एक नया मोर्चा खुल जाएगा। पहले भारत दक्षिण की ओर से आश्वस्त रहा है, लेकिन अब श्रीलंका की आर्थिक तबाही ने परोक्ष रूप से भारत को भी प्रभावित किया है। श्रीलंका की मजबूरी है कि वह चीन को तवज्जो दे, क्योंकि अगर वह तवज्जो नहीं देगा, तो श्रीलंका को मिलने वाले अंतरराष्ट्रीय ऋण में परेशानी होगी। संयुक्त राष्ट्र में चीन इस स्थिति में है कि वह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा दी जाने वाली मदद को रोक सकता है। श्रीलंका की मजबूरी भारत के लिए मुसीबत बन सकती है। अभी श्रीलंका के पास ज्यादा विकल्प भी नहीं हैं और भारत भी सिवाय सतर्क रहने के कुछ खास करने की स्थिति में नहीं है। चीन दुनिया में बदलते हालात का अधिकतम फायदा उठा रहा है। वह मजबूत श्रीलंका अब अतीत की बात है, जिसने हंबनटोटा बंदरगाह से कभी चीन को विदा कर दिया था। नई बात नहीं है, चीन को ऐसे ही मौके की तलाश रहती है। उस पाकिस्तान का भी हाल कुछ अलग नहीं है, जिसे चीन लौह मित्र कहता है। चीन का सदाबहार लौह मित्र किस तरह से गुजारा कर रहा है, यह सच्चाई छिपी नहीं है। जहां तक भारत का प्रश्न है, जासूसी से बचना मुश्किल है। समाधान इसी में है कि भारत स्वयं को तकनीक, कूटनीति और सामरिक रूप से मजबूत करे। परेशानी से गुजर रहे श्रीलंका के साथ चीन का संबंध बना रहेगा, पर भारत को इसी वजह से श्रीलंका के साथ अपने संबंध तनावपूर्ण नहीं बनाने चाहिए। बेशक, चीन पर कड़ी निगाह रखना हमारा एक सतत कार्य बन गया है।

प्रतीकों के खेल में मोदी बेजोड़

भ्रष्टाचार के लड़ने का यह सेलेक्टिव तरीका इस सरकार की पहचान बन गया है। फिर भी प्रधानमंत्री ने बहुत ऊंची आवाज में और बहुत ऊंची जगह से भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान छेड़ने और उसमें जनता से सहयोग करने की अपील की। वास्तविकता अपनी जगह है कि लेकिन यह अपील देश के करोड़ों नागरिकों के कान में गूंजती रहेगी। प्रधानमंत्री ने भाषा से लेकर विरासत तक के प्रतीकों का इस्तेमाल किया और इतने शानदार तरीके से किया कि विपक्ष काफी समय तक हकबकाया रहा कि इसका कैसे जवाब दें। विपक्ष की मुश्किल यह है कि वह इन प्रतीकों का तिलिस्म उजागर करने में नाकाम हो रहा है, उलटे इसी तिलिस्म में उलझ जा रहा है।

राजनीति धारणा और प्रतीकों का खेल है। इसे ऐसे भी कह सकते हैं कि प्रतीकों के जरिए धारणा बनाने का खेल है। इस खेल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बेमिसाल खिलाड़ी हैं। प्रतीकों का इस्तेमाल उनसे बेहतर कोई नहीं कर सकता है और न उन प्रतीकों से धारणा बनाने-बदलने का काम कोई उनसे अच्छा कर सकता है। उन्होंने आजादी की 75वीं वर्षगांठ के मौके पर लाल किले से भाषण देते हुए एक के बाद एक कई प्रतीकों का इस्तेमाल किया और उनसे जनमानस को प्रभावित किया या करने का प्रयास किया। आजादी के अमृत वर्ष में उनकी पार्टी ने देश को पहली आदिवासी राष्ट्रपति दिया था। वह भी एक महिला के रूप में। आजादी दिवस से ठीक पहले द्रौपदी मुर्मू देश की राष्ट्रपति बनीं। यह महिला और आदिवासी दोनों प्रतीकों को चुनावी विमर्श में स्थापित करने का प्रयास था। लाल किले से भाषण में भी प्रधानमंत्री ने इसका इस्तेमाल किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले से अपने भाषण की शुरूआत में खासतौर पर आजादी की लड़ाई में आदिवासी योद्धाओं के योगदान और उनकी शहादत को याद किया। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा और सिद्धो-कान्हो का नाम लिया। ये नाम आदिवासी गौरव से जुड़े हैं, उनकी अस्मिता से जुड़े हैं और उनको लोक कथाओं का हिस्सा हैं। लाल किले से शायद ही कभी किसी प्रधानमंत्री ने इनका नाम लिया होगा। वह सचमुच गर्व का क्षण था, जब ऐतिहासिक लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा, सिद्धो-कान्हो और सीताराम राजू का नाम लिया। सोचें, इस संबोधन से देश के आदिवासी समाज ने अपने को किस तरह से प्रधानमंत्री के साथ जुड़ा हुआ महसूस किया होगा! ध्यान रहे आदिवासी बहुल झारखंड और छत्तीसगढ़ में भाजपा बेहद कमजोर हुई है और ओडिशा में अभी अपनी जगह ही तलाश रही है। लेकिन आदिवासी राष्ट्रपति के बाद आदिवासी योद्धाओं का लाल किले से जिक्र करके प्रधानमंत्री ने उन्हें अपने साथ जोड़ने की पहल की है। दूसरा बेहद प्रभावशाली प्रतीक, जिसे प्रधानमंत्री ने चुना वह महिलाओं का है। उन्होंने बहुत भावुक और कुछ हद तक असहज होते हुए नारी के अपमान की बात कही। उनका भावुक और असहज होना बड़ा स्वाभाविक था लेकिन अगर वह अभिनय था तो बेहद दमदार था। उन्होंने कहा कि पता नहीं कैसे नारी का अपमान हमारी बोलचाल से लेकर सहज स्वभाव का हिस्सा हो गया है।

प्रधानमंत्री का इसके लिए आभार व्यक्त किया जाना चाहिए कि उन्होंने लाल किले से यह बात कही। सोचें, किस तरह से नारी का अपमान भारतीय समाज में स्वीकार्य हो गया है। नारी के सम्मान में सैकड़ों श्लोक और कविताएं लिखी गईं हैं लेकिन लगभग सारी गालियां भी स्त्रियों को लेकर ही बनी हैं। अगर प्रधानमंत्री की अपील से जरा सा भी बदलाव आता है तो वह बहुत बड़ी बात होगी। अब सवाल है कि प्रधानमंत्री ने जो कहा उसे प्रतीकात्मक क्यों माना जाए? इसलिए क्योंकि वास्तविकता कुछ और है। प्रधानमंत्री ने खुद विपक्ष की महिला नेताओं- सोनिया गांधी, रेणुका चौधरी, ममता बनर्जी और दिवंगत सुनंदा पुष्कर के बारे में ऐसी ऐसी बातें कहीं हैं, जो किसी भी स्त्री के लिए अपमानजनक है। उनकी पार्टी और सरकार स्त्रियों के प्रति कैसा भाव रखती है यह आजादी दिवस के भाषण के अगले ही दिन पता चल गया, जब गुजरात में एक गर्भवती स्त्री से बलात्कार करने और उसकी नवजात बच्ची सहित कई लोगों की हत्या करने के दोषियों को जेल से रिहा कर दिया गया। तीसरा प्रतीक परिवारवाद का है। परिवारवाद राजनीति की या समाज की एक बुराई हो सकती है लेकिन प्रधानमंत्री के लिए यह प्रतीकात्मक ही है क्योंकि उनको सिर्फ विपक्षी पार्टियों के नेताओं का परिवारवाद दिखता है। किसी न किसी राजनीतिक परिवार से जुड़े दर्जनों नेता इस समय भाजपा में भी हैं। वे सांसद हैं, विधायक हैं, केंद्र व राज्य सरकार में मंत्री हैं और यहां तक कि मुख्यमंत्री भी हैं। लेकिन उसमें प्रधानमंत्री को कोई बुराई नहीं दिखती है। भाजपा की कई सहयोगी पार्टियां राजनीतिक परिवारों की हैं, जिनका नेतृत्व एक ही परिवार की दूसरी या तीसरी पीढ़ी कर रही है। लेकिन उसमें भी कोई दिक्कत नहीं है। इतना होते हुए भी प्रधानमंत्री इतनी जोर से परिवारवाद के खिलाफ बोलते हैं कि सबको लगता है कि यह आदमी कुछ भी हो सकता है परिवारवादी नहीं होगा। उन्हें और उनकी पार्टी को लालू प्रसाद के बेटे तेजस्वी यादव का उप मुख्यमंत्री बनना परिवारवादी लगता है लेकिन चौधरी देवीलाल के पड़पोते, ओमप्रकाश चौटाला के पोते और अजय चौटाला के बेटे दुष्यंत चौटाला का उप मुख्यमंत्री बनना लोकतांत्रिक लगता है! उन्हें मुलायम सिंह के बेटे अखिलेश यादव का मुख्यमंत्री बनना परिवारवादी लगता है लेकिन दोरजी खांडू के बेटे पेमा खांडू का मुख्यमंत्री बनना लोकतांत्रिक लगता है। इस किस्म की अनगिनत मिसालें हैं, सब लिखने की जरूरत नहीं है। इसके बावजूद उन्होंने परिवारवाद के प्रतीक का इस्तेमाल विपक्ष को बैकफुट पर लाने के लिए सफलतापूर्वक किया है।

भ्रष्टाचार का विरोध भी ऐसी ही प्रतीकात्मक राजनीति का हिस्सा है। उन्होंने लाल किले के अपने भाषण में भ्रष्टाचार पर हमला बोलते हुए यहां तक कह दिया कि लोग भ्रष्टाचारियों से नफरत करें। बुद्ध से लेकर गांधी तक कहते रहे हैं कि पाप से घृणा करो पापी से नहीं। लेकिन प्रधानमंत्री ने भ्रष्टाचारियों से घृणा करने की बात कही। यह अलग बात है कि भ्रष्टाचार के कितने ही आरोपी भाजपा में शामिल हो गए और पार्टी ने उनसे नफरत करने की बजाय उनको गले लगा लिया। ऐसे नेताओं की संख्या उंगलियों पर नहीं गिनी जा सकती है, जिनके खिलाफ पहले केंद्रीय एजेंसियों की जांच चल रही थी, छापे पड़े थे और वे भाजपा में शामिल हो गए तो सारी प्रक्रिया थम गई। भ्रष्टाचार के लड़ने का यह सेलेक्टिव तरीका इस सरकार की पहचान बन गया है। फिर भी प्रधानमंत्री ने बहुत ऊंची आवाज में और बहुत ऊंची जगह से भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान छेड़ने और उसमें जनता से सहयोग करने की अपील की। वास्तविकता अपनी जगह है कि लेकिन यह अपील देश के करोड़ों नागरिकों के कान में गूंजती रहेगी। प्रधानमंत्री ने भाषा से लेकर विरासत तक के प्रतीकों का इस्तेमाल किया और इतने शानदार तरीके से किया कि विपक्ष काफी समय तक हकबकाया रहा कि इसका कैसे जवाब दें। विपक्ष की मुश्किल यह है कि वह इन प्रतीकों का तिलिस्म उजागर करने में नाकाम हो रहा है, उलटे इसी तिलिस्म में उलझ जा रहा है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

मुंब्रा रेलवे लाइन पार करते समय लोकल ट्रेन की चपेट में आने से व्यक्ति की हुई मौत

मौत से आक्रोशित यात्रियों ने किया रेलवे स्टेशन प्रबंधक कार्यालय का घेराव, यात्रियों ने ठहराया रेल प्रशासन को और राजनेताओं को दुर्घटना का जिम्मेदार

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। रेलवे लाइन पार करते समय 50 वर्षीय व्यक्ति की दर्दनाक मौत का मामला प्रकाश में आया है इस मामले में मिली जानकारी के अनुसार गत 17 अगस्त बुधवार सवेरे 11 बजे मुंब्रा रेलवे स्टेशन से प्लेटफार्म नंबर 3 पर जाने के लिए यह व्यक्ति द्वारा रेलवे लाइन पार किया जा रहा था तभी सामने से तेज रफ्तार से आती हुई बदलापुर जाने वाली लोकल ट्रेन की चपेट में आने से यह व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई इस दुर्घटना को लेकर यात्रियों द्वारा आक्रोशित होकर जमकर हंगामा किया गया और मुंब्रा रेलवे स्टेशन के स्टेशन प्रबंधक कार्यालय का घेराव किया यात्री द्वारा यह कहां जा रहा है कि आखिर कब रेलवे प्रशासन एस्केलेटर और लिफ्ट मुंब्रा स्टेशन पर उपलब्ध कराएगी तकरीबन सभी स्टेशनों पर लिफ्ट और एस्कलेटर लगाए जा चुके हैं लेकिन मुंब्रा शहर वासियों को ही सुविधाओं से वंचित रखा गया है क्या हम लोग रेलवे प्रशासन को किराया नहीं दे रहे हैं आखिर रेलवे प्रशासन मुंब्रा शहर वासियों के साथ में सौतेला व्यवहार क्यों कर रही है करोड़ों रुपए की आमदनी होने के बावजूद भी अब तक वर्षों से एस्क्लेटर और लिफ्ट क्यों नहीं लगाया जा रहा है यात्रियों ने बताया की जो दुर्घटनाएं हो रही है उसका जिम्मेदार रेल प्रशासन

और मुंब्रा शहर के राजनेता है क्या रेल प्रशासन मृतक को हर्जाना देगा नहीं यात्रियों ने बताया जब फास्ट लोकल ट्रेन मुंब्रा स्टेशन पर रूकती ही नहीं है तू यहां से क्यों छोड़ा जा रहा है जिसकी वजह से यात्रियों को पूल फांद कर जाना पड़ता है अगर एस्केलेटर की सुविधा जब तक यात्रियों के लिए पर्याप्त नहीं की जाती तब तक फास्ट ट्रेनों को यहां से नहीं छोड़ना चाहिए था इस फास्टट्रैक की वजह से यात्रियों को काफी मात्रा में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है 40 सीढ़ियां पार करके बड़ी मुश्किलों से पुल पार करना पड़ता है जिसके कारण बुजुर्ग दंपत्तियों को गर्भवती महिलाओं को बीमार व्यक्तियों को बच्चों को पुल पार करने में काफी दिक्कतों आ रहा है जिसके कारण लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ रही है इसका जिम्मेदार कौन है रेल प्रशासन या राजनीतिक पार्टी जो श्रेय लेने के लिए जनता की जिंदगी के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं आक्रोश में भरे यात्रियों को मुंब्रा रेलवे पुलिस के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक पवन कुमार द्वारा और जीआरपी पुलिस के पीआई खंडारे और मुंब्रा सिटी पुलिस की सहायता से स्थिति को काबू में कर लिया गया और लोगों को समझा-बुझाकर वापस भेज दिया गया रेलवे लाइन की चपेट में आने वाली व्यक्ति को तत्काल ठाणे के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां डॉक्टर द्वारा जांच के बाद व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया गया हालांकि इस मृतक व्यक्ति की शिनाख्त नहीं हो पाई है तलाशी के बाद भी यह व्यक्ति के पास से किसी तरह का कोई भी पहचान पत्र प्राप्त नहीं किया गया फिलहाल मृतक व्यक्ति की शिनाख्त की कोशिश मुंब्रा जीआरपी द्वारा की जा रही है आपको बताते चलें कई वर्षों से एस्केलेटर और लिफ्ट की मांग राजनीतिक दलों द्वारा समाज सेवकों द्वारा की जा रही है परंतु आज तक रेलवे प्रशासन की तरफ से मुंब्रा शहर वासियों को लॉलीपॉप ही दिया गया है। इस मामले का संज्ञान केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और राज्य रेलवे मंत्री रावसाहब पाटील दानवे द्वारा आखिर क्यों नहीं लिया जा रहा है और यही कारण है दो वर्षों से एस्केलेटर पड़ा सड़ रहा है काफी वर्ष बीत जाने पर भी नाही अब तक लिफ्ट बनकर तैयार की गई है और नाही एस्केलेटर अब तक लगा है अगर शायद एस्केलेटर या लिफ्ट दोनों में से कोई भी सुविधाएं अगर मुंब्रा शहर वासियों को उपलब्ध करा दी जाती तो शायद जो दुर्घटना आज सामने आई है वह नहीं आती तो हम केंद्र रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और राज्य रेल मंत्री रावसाहब पाटील दानवे से निवेदन करते हैं कि जल्द से जल्द एस्केलेटर और लिफ्ट मुंब्रा रेलवे स्टेशन पर उपलब्ध कराया जाए ताकि शहर वासियों को प्लेटफार्म की 40 सीढ़ियां चढ़ने में जो दिक्कत हो रही है उससे राहत मिल सके और रेलवे लाइन पार करते समय जो दुर्घटनाएं सामने आ रही हैं जिससे यात्रियों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा है उससे बचा जा सके।

नासिक जेल में 10 से 12 कैदियों ने किया पुलिस कर्मचारियों पर हमला, एक की हालत गंभीर

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक सेंट्रल जेल में 10-12 कैदियों ने मिलकर पुलिस कर्मचारियों पर जानलेवा हमला किया है। एक कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। कैदियों द्वारा इस इकट्ठे होकर किए गए हमले से जेल कर्मचारियों में दहशत का माहौल है। इस हमले से जेल में कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर अहम सवाल खड़े हो गए हैं। कुछ दिनों पहले ही इन कैदियों को पुणे के येरवडा जेल से नासिक जेल में लाया गया है। आज (18 अगस्त, गुरुवार) यह हमला किया गया है। इस हमले में घायल हुए कर्मचारी का इलाज शुरू है। पुणे के येरवडा जेल में बंद इन कैदियों को एक महीना पहले नासिक के सेंट्रल जेल में लाया गया था। इन कैदियों के हमले में घायल हुए पुलिस कर्मचारी का नाम प्रभूचरण

पाटील है। जख्मी हालत में उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया। फिलहाल उनका अस्पताल में इलाज शुरू है। हैरानी इस बात पर जताई जा रही है कि 10 से 12 कैदियों ने मिलकर पुलिस कर्मचारियों पर हमले को अंजाम दिया है। ऐसे में यह हमला अचानक नहीं हुआ होगा। दस से बारह लोग इकट्ठे हुए हैं तो जरूर इसके पीछे प्लानिंग हुई होगी। लेकिन इस हमले की संभावनाओं को लेकर जेल प्रशासन को कोई भनक नहीं लगी। अब तक यह भी साफ नहीं हो पाया है कि पुलिस कर्मचारी पर यह हमला किस वजह से हुआ है। फिलहाल इस हमले को लेकर जेल कर्मचारियों में दहशत का माहौल है। जेल कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर भी कई सवाल खड़े हो रहे हैं। एक साथ, एकाएक इतने कैदियों का संगठित होना अपने आप में ही चिंता का बड़ा कारण है। लेकिन यहां सवाल किसी मांग को लेकर कैदियों का आंदोलन से संबंधित नहीं है। यहां कैदियों द्वारा पुलिस कर्मचारियों पर हमला किया गया है और इस हमले में एक कर्मचारी गंभीर रूप से घायल भी हुआ है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

महाराष्ट्र में बोट पर मिलीं तीन एके-47

इसमें काले रंग के बॉक्स में एके-47 और गोलियां थीं। पुलिस ने बताया कि जिस बॉक्स में हथियार रखे हुए थे, उस पर अंग्रेजी में नेप्च्यून मैरिटाइम सिक्योरिटी लिखा हुआ है। यह कंपनी ब्रिटेन की है। इधर, मामले पर महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम और इंडियन कॉस्ट गार्ड का भी बयान सामने आया है, जिसमें फिलहाल आतंकी साजिश जैसी कोई बात सामने नहीं आई है। हालांकि सुरक्षा के लिहाज से एनआईए और एटीएस की टीम मामले की जांच कर रही है। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने घटना को लेकर बताया कि रायगढ़ जिले के श्रीवर्धन तालुका में 1 बोट मिली है। उसमें तीन एके-47 राइफल बरामद हुई हैं। उसके साथ उसका एम्युनेशन और बोर्ड के कुछ कागजात पाए गए हैं। बोट का नाम लेडी हान है और इसकी मालकिन एक ऑस्ट्रेलियाई महिला हाना लॉन्डर्सगन हैं। उनके पति जेम्स होबर्ट बोट के कप्तान हैं। फडणवीस ने कहा- यह बोट मस्कट से यूरोप जा रही थी। 26 जून 2022 को इस बोट का इंजन खराब हुआ और इस मौजूद लोगों ने डिस्ट्रेस कॉल किया। कोरियन नेवी की शिप ने इन लोगों को रेस्क्यू किया था। रेस्क्यू करने के बाद इन लोगों को ओमान के हवाले कर दिया गया था। हाई टाइड की वजह से रायगढ़ तट पर पहुंची बोट फडणवीस ने बताया कि हाई टाइड होने के कारण इस बोट की टोइंग नहीं की जा सकी और यह तैरते हुए श्रीवर्धन के समुद्री तट पर पहुंच गई। इंडियन कोस्ट गार्ड ने इसकी पुष्टि की है। हमने अभी तक सुरक्षाबलों को हाई अलर्ट पर रखा है। नाकाबंदी भी जारी है। हम सभी एंगल को ध्यान में रखकर जांच को आगे बढ़ा रहे हैं।

मुंबई पुलिस ने छापेमारी कर जब्त किए 2435 करोड़ के ड्रग्स

जिसकी कीमत 36 लाख 50 हजार रुपए थी। समीउल्लाह से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने आरोपी नंबर दो अयूब शेख को गिरफ्तार किया। जिसके पास से ढाई किलो ड्रग्स बरामद हुआ। जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 4 करोड़ रुपए थी। दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने 2 मिडिल मैन को गिरफ्तार किया। जिसमें से एक महिला आरोपी रेशमा चंदन और दूसरा रियाज मेमन है। पुलिस के पास कुल 4 आरोपी थे। जिसके बाद पुलिस ने अपनी जांच आगे बढ़ाई और इस पूरे रैकेट का सबसे बड़ा मास्टरमाइंड यानी आरोपी नंबर 5 प्रेम शंकर सिंह पकड़ा गया। यह प्रेमशंकर वहीं आरोपी है जो पूरे ड्रग्स को बनवाया करता था। पुलिस ने प्रेम शंकर सिंह के गोडाउन में छापा मारकर 701 किलो ड्रग्स बरामद की। जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 1403 करोड़ रुपए आंकी गई है। प्रेमशंकर की गिरफ्तारी के बाद आरोपी नंबर 6 किरण पवार गिरफ्त में आया। जो अंबरनाथ की एक फैक्ट्री का मैनेजर है। इसके पास से भी पुलिस को 450 ग्राम ड्रग्स बरामद हुआ जिसकी कीमत 90 लाख रुपए थी।

शिंदे सरकार ने दही हांडी को दिया खेल का दर्जा

दही हांडी के दिन सार्वजनिक छुट्टी घोषित करने के बाद सीएम शिंदे ने यह दूसरी बड़ी घोषणा की। शिंदे-फडणवीस सरकार ने इस संदर्भ में एक सरकारी आदेश भी जारी किया है। इस तरह दही-हांडी अब बस गोकुलाष्टमी या जन्माष्टमी के त्योहार के वक्त ही नहीं बल्कि साल के 365 दिन एक एडवेंचर स्पोर्ट के तौर पर खेला जाएगा। दही हांडी में भाग लेने वाले गोविंदाओं को अब से ना सिर्फ सरकारी नौकरियों में 5 फीसदी आरक्षण का लाभ मिलेगा, बल्कि उन्हें बीमा संरक्षण भी मिलेगा।

स्वदेशी सोच, स्वदेशी चिन्ह, स्वदेशी भाषा व वेशभूषा स्वतंत्रता का परिचायक है: अतुल सहगल

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्त्वावधान में 'राष्ट्रीय स्वतंत्रता-अर्थ और दर्शन' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल में 431 वां वेबिनार था। वैदिक विद्वान अतुल सहगल ने स्वतंत्रता के मौलिक अर्थ की व्याख्या की और जीव से लेकर जन समुदाय और राष्ट्र की स्वतंत्रता को परिभाषित करते हुए राष्ट्रीय स्वतंत्रता की चर्चा और व्याख्या की।आर्यसमाज के नियम संख्या 10 और यजुर्वेद की राष्ट्रीय प्रार्थना को प्रस्तुत करते हुए राष्ट्रीय स्वतंत्रता के मुख्य पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने उन सब बिंदुओं पर प्रकाश डाला जो कि एक स्वतंत्र, स्वावलम्बी और सुदृढ़ राष्ट्र की पहचान कराते हैं।राष्ट्र के लक्षणों को श्रोताओं के सम्मुख रखते हुए उनकी विस्तृत व्याख्या की। आत्मनिर्भरता, स्वावलम्बन और स्वदेशी की अवधारणा प्रस्तुत की। स्वदेशी सोच, स्वदेशी चिन्ह, स्वदेशी भाषा और स्वदेशी वेशभूषा को पूर्ण राष्ट्र स्वतंत्रता के बिंदुओं के रुप में प्रकट किया। भारत में स्वतंत्रता हेतु क्रन्तिकारी आंदोलन और इनके पीछे काम कर रही स्वामी दयानन्द सरस्वती जी की प्रेरणा शक्ति व आर्य समाज के योगदान की बात कही। राष्ट्रीय स्वतंत्रता को सम्पूर्ण करने के लिए

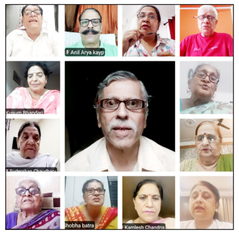

राजनीतिक,आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक स्वतंत्रता के महत्त्व को उजागर किया। हमारे समाज की कुछ बुराईयों की चर्चा करते हुए जातिवाद, साम्प्रदायवाद और परिवारवाद से मुक्ति पाने पर जोर दिया। राष्ट्रवाद को प्रबल और सबल बनाने हेतु स्वदेशी प्रोद्योगिकी और स्वदेशी उत्पादन की महत्ता प्रकट की।सामाजिक एकरसता विकसित करने की बात कही।इस राष्ट्रीय स्वतंत्रता की अवधारणा को ग्रहण करके हम सब राष्ट्र के घटक अपने अपने राष्ट्रीय कर्तव्य को समझकर उसके अनुरूप पुरुषार्थ में जुट जाएँ और राष्ट्र को उन्नति के शिखर पर पहुंचाएँ। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने संचालन करते हुए कहा कि सच्ची स्वतंत्रता सोचने की शक्ति,भाषा, पहनावा, रहन सहन से पता चलती है। अध्यक्ष विदुषी विद्योत्मा झा ने राष्ट्रीय सोच व स्वतंत्रता के महत्व पर प्रकाश डाला। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि महर्षि दयानन्द प्रखर राष्ट्र वादी थे। गायिका प्रवीना ठक्कर, रजनी चुग, रविंदर गुप्ता,जनक अरोरा, संतोष सांची, कुसुम भंडारी, सुदर्शन चौधरी,कमलेश चांदना, शोभा बत्रा, सुमित्रा गुप्ता, प्रतिभा कटारिया, कमला हंस, ईश्वर देवी आदि के भजन हुए कउक्त जानकारी मीडिया प्रभारी प्रवीण आर्य ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

शिव उपखंड क्षेत्र में भारी बारिश से आमजन का हाल बेहाल, रास्तों और घरों में भरा पानी

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। शिव उपखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत राजडाल में हैदर जुनेजा ने बताया कि देवका से हाजी साकर की ढाणी चार किलोमीटर कच्चा रास्ता है वो भी एक ही रास्ता है जो हाजी साकर की ढाणी से देवका जाता है, जहां बारिश के इन दिनो में कीचड़ जमा हो जाती है। मेटीली जमीन के कारण ईमरजेंसी में भी गाड़ी दो पहिया वाहन

निकलना भी मुश्किल हो जाता हैं। जिसके चलते ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रास्ते के दोनों ओर झाड़ियां होने से यहां से वाहन निकालना भी मुश्किल हो जाता है। ग्रामीणों ने इस कच्चे रास्ते को सड़क में तब्दील करने की मांग प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से की। उक्त जानकारी क्षेत्रीय पत्रकार दिलीप सैन ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

प्रेम कहानी का दुखद अंत, प्रेम प्रसंग से नाराज पिता ने काट दिया बेटी का सिर

संवाददाता/अरमान उल हक

मेरठ। उत्तर प्रदेश का प्रसिद्ध शहर मेरठ जो की पी ए सी द्वारा हाशिमपुरा में किए गए मुसलमानों के कत्ल ए आम को लेकर पूरी दुनिया में सुर्खियों में आया था आज एक बार फिर चर्चा में आया है मेरठ के लिसाड़ी गेट में युवती की सिर कटी लाश केश का पुलिस ने सनसनी खेज खुलासा कर दिया है। वारदात हॉरर किलिंग की है पिता ने ही बेटी का सिर काटकर हत्या की थी और लाश को नाले में फेंका था पुलिस ने फिलहाल हत्यारोपी पिता को गिरफ्तार कर हत्या में प्रयुक्त चाकू और साइकिल बरामद कर ली है कटे हुए सिर को माधवपुरम नाले के पास फेंका गया था जिसकी तलाश में चार टीमों को लगाया गया है। लक्खीपुरा गली नंबर18 स्थित नाले में बारह अगस्त की सुबह एक युवती की सिर कटी लाश फलों की कैरट में मिली थी। इस केस के खुलासे के लिए एस ओजी सर्विलांस और थाना पुलिस की पांच टीमों को लगाया गया था बुधवार को पूरे मामले में पुलिस ने शालीमार गार्डन निवासी शाहिद कुरैशी को गिरफ़्तार किया है। पुलिस ने खुलासा किया है कि बरामद लाश शाहिद की बेटी सानिया की है छानबीन और पूछताछ के बाद पता चला कि सानिया का रिहान गार्डन निवासी वसीम से प्रेम प्रसंग था। छह माह तक दोनो साथ रहे थे परिजन बाद में किसी तरह सानिया को घर ले आए थे अब परिजन उसका दूसरी जगह निकाह करना चाहते थे लेकिन सानिया प्रेमी से ही शादी करना चाहती थी प्रेमी से ही शादी की ज़िद के कारण सानिया को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा। प्रेम प्रसंग के विरोध पर पिता ने ही अपनी पुत्री की हत्या की है आरोपी को गिरफ़्तार कर लिया गया है साक्ष्य संकलन किए जा रहे हैं कटे हुए सिर को माधवपुरम नाले में फेंका गया था जिसकी तलाश की जा रही है।

बीकानेर में मुस्लिम समाज द्वारा शास्त्री पं. गायत्री प्रसाद शर्मा का अभिनंदन

संवाददाता

सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर। वैदिक संस्कृत शिक्षा में उल्लेखनीय योगदान के लिए राज्य सरकार द्वारा संस्कृत दिवस पर संस्कृत युवा प्रतिभा सम्मान से सम्मानित होने पर बीकानेर के सर्वधर्म एकता के प्रतीक बीकानेरी गंगा जमुनी तहजीब को बरकरा रखते हुए शास्त्री पंडित गायत्री प्रसाद शर्मा का सम्मान (एजाज) बीकानेर मुस्लिम समाज की सभी बिरादरी के प्रतिनिधियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर शास्त्री जी को

शॉल, माला, श्रीफल व सम्मान पत्र भेंट किया गया। इस अवसर पर शास्त्री ने कहा कौमी एकता के लिए बीकानेर सम्पूर्ण भारत में एक मिशाल है यहां सभी धर्म के लोग एक दूसरे को सहयोग करते है और हमेंशा सांप्रदायिक सौहार्द को बनाए रखते है।एन. डी कादरी ने कहा की शास्त्री जी ने बीकानेर का गौरव बढ़ाया है इनके सम्मान से छत्तीस कौम को प्रेरणा मिलेगी। जाकिर नागौरी ने कहा कि प. गायत्री प्रसाद जी हमेशा मानव कल्याण एवं संस्कृत वैदिक शिक्षा के लिये युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत है। इस प्रोग्राम मे पार्षद मोहम्मद असलम, एडवोकेट असरफ उस्ता, अकरम नागौरी, नजरूल इस्लाम, मास्टर मंसुर अली, एडवोकेट मोहम्मद असलम, मेहताब दमामी, शकील स्टार नेता, हसन अली खिलजी, एडवोकेट समशाद अली, मोहम्मद हुसैन (पप्पु), सोनू पठान, निहाद हुसैन, गुलाब हुसैन आदि सभी मुस्लिम समुदाय के लोगो ने माला पहनाकर उनका सम्मान व अभिनन्दन किया।

शाहपुरा में विभिन्न मांगो को लेकर छात्र संगठनों ने ज्ञापन सौंपा

मुंबई हलचल /भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। भीलवाड़ा जिले के शाहपुरा कस्बे में प्रताप सिंह बारहठ राजकीय महाविद्यालय में विभिन्न मांगो को लेकर छात्र नेता जयंत जीनगर के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में अवगत करवाया की छात्रसंघ चुनाव राजनीति की पहली सीढ़ी है, सभी छात्रों को मौका मिलना चाहिए छात्र हितों को मद्देनजर रखते हुए यूनिवर्सिटी की भाती महाविद्यालय में भी स्नातकोत्तर में अस्थाई प्रवेश प्रक्रिया चालू करवाई जाए। और महाविद्यालय परिसर में बड़ी

गाजर ग्रास को भी कटवाई जाए जिससे विधार्थियों को जानवरों का भय नहीं रहे। ज्ञापन के दौरान छात्र नेता जयंत जीनगर, रूपचंद गुर्जर, कैलाश एरवाल, आदित्यवर्धन सिंह, हितेंद्र सिंह, विजेंद्र सिंह, अनुराग शर्मा, अखिल शर्मा, जयवर्धन सिंह, कुलदीप वैष्णव सहित छात्र मौजूद थे। उक्त जानकारी क्षेत्रीय पत्रकार मोनू छीपा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

पीपलूंद में दिव्यांग शंकर पूरी को ट्राई साइकिल मिली तो चेहरा खिल उठा

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। पीपलून्द ग्राम में निवासरत दिव्यांग शंकर पूरी को 8 वर्ष पूर्व ट्राई साइकिल मिली थी, इसी के सहारे शंकर अपना गुजरा करते आ रहे थे, परन्तु कुछ दोनों पूर्व इनकी पुरानी ट्राई साइकिल पूर्णता झर्जर हो गई तो, तो शंकर पूरी ने सरपंच वेदप्रकाश खटीक से सम्पर्क कर नई ट्राई साइकिल दिलवाने का आग्रह किया। पीपलून्द वेदप्रकाश खटीक ने स्वयं समाज कल्याण विभाग भीलवाड़ा जाकर अधिकारियों को स्थिति से अवगत करवाया तथा शंकर पूरी को ट्राई साइकिल देने का आग्रह किया। विभाग के उप निदेशक सत्यपाल शर्मा ने तुरंत ही साइकिल उपलब्ध करवा दी, जिसको रोडवेज बस में रखवाकर पीपलून्द लेकर आए,

और दिव्यांग को सुपुर्द की, साइकिल मिलते ही शंकर पूरी का चेहरा खिल उठा, और ग्राम पंचायत के सरपंच वेदप्रकाश खटीक और समाज कल्याण विभाग का आभार प्रकट किया। उक्त जानकारी क्षेत्रीय पत्रकार मोनू छीपा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

शासन के आदेश की पालना नहीं होने पर आयोग अध्यक्ष बैरवा व विधायक लोढ़ा के समक्ष संगठन ने जताई नाराजगी: धर्मेंद्र गहलोत

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। राजस्थान शिक्षक संघ (प्रगतिशील) के प्रदेश मुख्य महामंत्री धर्मेन्द्र गहलोत के नेतृत्व में सिरोही आगमन पर अनुसूचित जाति आयोग अध्यक्ष खिलाड़ी लाल बैरवा एवं सिरोही विधायक संयम लोढ़ा को ज्ञापन देकर एससी पीड़ित दंपति सत्यनारायण बैरवा एवं सविता बैरवा के 114 दिवस के वेतन भुगतान करने के निदेशालय प्रारंभिक शिक्षा बीकानेर के आदेश की पालना में नियुक्ति अधिकारी जिला शिक्षा अधिकारी (प्रारं.शिक्षा) सिरोही द्वारा 15 जुलाई 2022 को स्पष्ट आदेश के बाद भी प्रधानाचार्य मुंगथला एवं खडात द्वारा वेतन भुगतान नहीं करने के दोषी प्रधानाचार्य को अविलम्ब निलम्बित कर पीड़ित दम्पति को न्याय दिलवाने की संगठन ने मांग की। मीडिया प्रभारी गुरुदीन वर्मा के अनुसार संघ (प्रगतिशील) जिलाध्यक्ष देवेश खत्री ने बताया कि प्रदेश मुख्य महामंत्री धर्मेन्द्र गहलोत ने एससी आयोग के अध्यक्ष खिलाड़ी लाल बैरवा एवं सिरोही विधायक संयम लोढ़ा से मुलाकात कर बताया कि

शासन विभागीय आदेश के बाद भी 3 वर्षों से पीड़ित दम्पति का लम्बित वेतन भुगतान नहीं करना शासन के आदेश की घोर अवहेलना पर संगठन ने रोष व्यक्त करते हुए प्रधानाचार्य मुंगथला एवं खड़ात को अविलम्ब निलम्बित करके शासन के आदेश की कठोरता से पालना करवाने की मांग रखी। जिस पर आयोग अध्यक्ष बैरवा व सिरोही विधायक लोढ़ा ने जिला कलेक्टर डॉ भंवरलाल अतिरिक्त जिला कलेक्टर कालूराम खोड की उपस्थिति में जिला प्रशासन को विभागीय आदेश की तत्काल पालना करवाने के लिए कहा। जिला कलेक्टर ने तत्काल वेतन भुगतान करवाने की पालना सुनिश्चित करवाने का संगठन को आश्वासन दिया। प्रदेश महामंत्री डॉ हनवंत सिंह मेड़तिया ने कहा कि विभागीय आदेश एवं उच्चाधिकारियों के निर्णय के बाद भी प्रधानाचार्य मुंगथला एवं खड़ात द्वारा आदेश की पालना नहीं करने वालों के विरुद्ध कठोर दण्डात्मक कार्यवाही नहीं होने की स्थिति में संगठन को आर-पार का संघर्ष करना पड़ेगा। इस अवसर पर प्रतिनिधिमण्डल में सभाध्यक्ष भगवत सिंह देवड़ा, प्रदेश महामंत्री डॉ हनवंत सिंह मेड़तिया, सिरोही अध्यक्ष इन्द्रमल खंडेलवाल, रेवदर अध्यक्ष विनोद नैनावत, आबूरोड अध्यक्ष सत्यनारायण बैरवा, महिला मंत्री सविता शर्मा, आबूरोड मंत्री शाहिस्ता, रेवदर मंत्री धर्मेन्द्र कुमार खत्री, पीड़ित सविता बैरवा, भीखाराम कोली, ओमजी लाल शर्मा, रमेश परमार, कोषाध्यक्ष रमेश रांगी, किशोर कुमार, वरूण सहित दो दर्जन से अधिक पदाधिकारी उपस्थित थे। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी गुरुदीन वर्मा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

जयपुर में तीन महीने से संविदा कर्मियों का हो रहा हैं शोषण, प्रशासन बेखबर?

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। जयपुर में संविदा कर्मियों का हो रहा है आर्थिक शोषण 3 महीने से बिना वेतन के काम कर रहे हैं। प्रदेश के सबसे बड़े कोविड अस्पताल आर यू एच एस हॉस्पिटल जयपुर में संविदा पर कार्यरत लैब टेक्नीशियनो को पिछले 3 माह (मई, जून, जुलाई) से वेतन का भुगतान नहीं हुआ है। जिसके कारण सभी लैब टेक्नीशियन आर्थिक और मानसिक रूप से परेशान है तथा सैलरी नहीं मिलने के कारण परिवार चलाना मुश्किल हो रहा है सभी टेक्नीशियनो ने कोरोना महामारी में पूरी ईमानदारी और मेहनत के साथ काम किया है फिर भी इनके साथ शोषण किया जा रहा है बिना वेतन के काम कर रहे हैं अतः इस संबंध में चिकित्सा अधीक्षक डॉ अजीत सिंह जी को भी अवगत करा दिया गया है कई बार ज्ञापन भी दिया है परंतु किसी प्रकार की कार्यवाही नहीं की गई है बिना सैलरी काम करते हुए पूरे 4 महीने होने वाले हैं संविदा कर्मियों को कब सैलरी का भुगतान किया जाएगा। उक्त जानकारी वरिष्ठ युवा समाजसेवी देव आनंद सिंह ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

पूर्व मंत्री याकूब कुरैशी को कोर्ट ने दी बड़ी राहत, फैक्ट्री में सील मीट की दोबारा जांच के आदेश

संवाददाता/अरमान उल हक

मेरठ। ईनामी पूर्व राज्यमंत्री हाजी याकूब कुरैशी को कोर्ट ने राहत दी है। एसीजेएम कोर्ट संख्या -5 ने पूर्व मंत्री हाजी याकूब की हापुड़ रोड स्थित फैक्टरी से पकड़े गए मीट के नमूनों की दोबारा जांच के सशर्त आदेश जारी कर दिए हैं। अधिवक्ता अनिल बख्शी ने बताया की अल फहीम मीटेक्स प्राइवेट लिमिटेड की ओर से अदालत में प्रार्थना पत्र दिया गया था। इस प्रार्थना पत्र में दावा किया गया कि कंपनी के पास फूड सेफ्टी एवं स्टेंडर्ड अथॉरिटी के अंतर्गत मीट प्रसंस्करण और भंडारण करने का पूर्ण अधिकार था। इसके बावजूद फ्रीज में रखा मीट जब्त कर लिया गया था। उन्होंने बताया कि मीट का कोई सैंपल फैल होने की रिपोर्ट नहीं आई बल्कि गलत लेबलिंग पाई गई। वहीं अभियोजन अधिकारी का तर्क था कि मीट का भंडारण अवैध रूप से किया जा रहा था। फैक्टरी का लाइसेंस समाप्त हो चुका था। आवेदक का कहना था कि लाइसेंस 2023 तक वैध था। दोनों पक्ष सुनने के बाद अदालत ने आदेश पारित करते हुए कहा कि कंपनी अपने खर्चे पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी के दिशा निर्देशों के अधीन मीट की सैंपलिंग इस प्रकार से कराए कि मीट की गुणवत्ता के संबंध में पूर्ण जानकारी प्राप्त हो सके। नमूने लेने के पश्चात मान्यता प्राप्त राज्य स्तरीय या केंद्र स्तरीय संस्थान से सैंपल की जांच कराई जाए।

मुस्लिम समाज द्वारा तिरँगा यात्रा निकाली

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

आमेट। जश्न ए विलादत, स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में आज मुस्लिम समाज आमेट द्वारा गाजे बाजे के साथ तिरंगा यात्रा रैली बाईक द्वारा निकाली गई जो मदीना मस्जिद रेलवे स्टेशन से एक जुलूस के रूप में गाजे बाजे के साथ रेलवे स्टेशन पुलिस थाना, बस स्टैंड, लक्ष्मी बाजार, होली थान, तकिया रोड, गौसिया रिज्विया अंजुमन पर पहुंचा इस दौरान जुलूस में जवान और बुजुर्ग तिरंगा हाथ में लिए देशभक्ति के नारे लगाते हुए डीजे की थाप पर देश भक्ति से झूमते हुए नजर आए इस दौरान मुस्लिमों द्वारा तिरंगा यात्रा त्योहार के रूप में मनाई गई इस दौरान मदीना मस्जिद सदर इलाही बख्श कुरेशी, नगर पालिका उप चेयरमैन मिश्र भाई मंसूरी, अधिवक्ता शराफत हुसैन फौजदार, पूर्व सदर जहूर सोरगर, निर्वतमान पार्षद ताहिर सोरगर, फिरोज शेख, अल्ताफ पठान, मुस्लिम महासभा के जाफर खान फोजदार, जिला उपाध्यक्ष फारुख पठान, फारुख शाह, इरफान मंसूरी राजनगर, तौसीफ रजा, इरफान मंसूरी, कयाम कुरेशी, वासीन मंसूरी, अब्दुर्रहमान उस्ता, मोईन रजा, अमजद मंसूरी, मुस्लिम महासभा ब्लॉक उपाध्यक्ष आजाद शाह, रफीक काजी आदि मौजूद रहे।

दैनिक मुंबई हलचल

जरूरी सूचना

पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.

धन्यवाद... संपादक

9821238815

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

शहर में लगा गंदगी का अंबार वार्ड 42 में नालीयां डटी, कचरे के ढेर सफाई के अभाव में मच्छरों का साम्राज्यः एन डी कादरी

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर। मुस्लिम महासभा के राष्ट्रीय सचिव एन डी कादरी ने नगर निगम आयुक्त को ज्ञापन देकर बताया कि शहर में गंदगी का अंबार लगा हुआ है। निगम शासन प्रशासन अपनी नाक की लड़ाई में व्यस्त कर्मचारी भी अपनी मस्ती में मस्त परेशान बीकानेर की आमजन। एन डी कादरी ने निगम आयुक्त का ध्यान आकर्षित करवाकर वार्ड 42 डूडी अमन धर्म कांटा के सामने वाली गली में, सर्वोदय बस्ती फोरमेन इंजीनियरिंग कॉरप्रेसन ओर भाटी ई मित्र के पास गजनेर रोड़ के निवासियों की इस ज्ञापन के माध्यम से ध्यान मोहल्ले में सफाई संबंधी दुर्व्यवस्था की ओर दिलवाया इस क्षेत्र में सफाई की स्थिति बेहद खराब है। सड़कों के किनारे गंदगी के ढेर जमा हैं। सफाई कर्मी कभी-कभार ही आते हैं। एक महीने से हर जगह नालियां बंद पड़ी हैं जिसके कारण गंदा पानी सड़क पर फैल रहा है। ऐसे में मच्छरों का सम्राज्य बना हुआ हैं। इससे बुखार, मलेरिया आदि बीमारियाँ होने का खतरा बना हुआ है। वैसे भी अभी मौसमी बीमारी भी चल रही है। इस तरह गंदगी, कूड़ा - कचरे के ढेर मौसमी बीमारी को बढ़ावा देने में सहयोग कर रहे हैं। कचरा नहीं उठाए जाने तथा नालीयो की सफाई भी नहीं हो रही है। इस कारण सड़कों पर बदबू आती है। दूषित और दुर्गन्धपूर्ण वातावरण के कारण सड़क से गुजरना भी मुश्किल हो गया है। वार्डवासी जिम्मेदार लोगों को फोन करते हैं तो वो फोन नही उठाते। कभी फोन उठाते हैं तो टालमटोल कर कर्मचारी नहीं होने या साधन नहीं होने जैसी बात कहकर उच्च अधिकारियों से बात करने और निगम आयुक्त को शिकायत करने को कहते हैं। साथ ही जमादार मुकुल चांवरिया क्षेत्र वासियों को कहते हैं। यहां सफाई करवाने के लिए अधिकारियों के आदेश है कि 10 दिन में एक बार सफाई करने के लिए कहा गया है। इस बाबत जहां जाना है। जिसे कहना है। कहें। सर्किल अधिकारी ओम प्रकाश से संपर्क साधना चाहते तो कभी भी क्षेत्र वासियों के फोन नही उठाते। ना ही कार्यालय में मिलते ऐसा क्षेत्र वासियों की शिकायत है। कादरी ने बताया कि आजकल प्रधान मंत्री का स्वच्छ भारत अभियान अतिरिक्त रूप से हो रहा है लेकिन स्थानीय स्तर पर कुछ भी नहीं हो रहा है। मुस्लिम महासभा संगठन आपसे अनुरोध करता है कि इस क्षेत्र का निरीक्षण कर नियमित सफाई की व्यवस्था के लिए उचित कार्यवाही करें। ताकि गंदगी कारण होने वाली परेशानियों व गंदगी से होने वाली बीमारियो से निजात मिल सके। अन्यथा क्षेत्र वासियों की समस्याओं को लेकर आंदोलन किया जाएगा। ज्ञापन देने वालों में एन डी कादरी, प्रदेश महासचिव अब्दुल रहमान लोदरा, मोहम्मद चांद अली, निसार पर्चुनवाले, खलील राठौड़, राजेश कुमार, सुनील, पत्रकार सैयद अल्ताफ हुसैन, शाकिर भाटी, रमजान राठौड़, सलमान राठौड़, नासिर अली,सुभम, दाऊद गोरी, अब्दुल वाहिद, दीपक, सिकंदर अली, जाकिर पठान, रमजान पठान आदि क्षेत्रवासी मौजूद थे।

जोधपुर में रांकावत समाज ने छात्रावास में तिरंगा फहराया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। पत्रकार भरत राजमणी जोधपुर राजस्थान ने बताया कि अखिल भारतीय रांकावत ब्राह्मण सभा दिल्ली की इकाई एवं उपमुख्यालय, रांकावत शिक्षण संस्थान एवं छात्रावास, पाल बालाजी के पीछे जोधपुर के परिसर में आज स्वतंत्रता दिवस की 75 वर्षगांठ समारोह अति उत्साह उमंग और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्याम गोयल एवं विशिष्ट अतिथि राजेंद्र गोयल एवं जोधपुर रांकावत समाज के गणमान्य समाज बंधु थे। जोधपुर शिक्षण संस्थान छात्रावास के अध्यक्ष नारायण दास ने अतिथियों का स्वागत किया, तत्पश्चात ध्वजारोहण कार्यक्रम समाज बंधुओं की उपस्थिति में संपन्न हुआ और पूरा क्षेत्र वंदे मातरम और भारत माता की जय के नारों से गूंज उठा। इस अवसर पर रांकावत समाज के भामाशाहो द्वारा छात्रावास के विकास हेतु बढ़-चढ़कर के सहयोग राशि भेट की ,बाबूलाल फौजी, नारायण दास,

जगदीश गुरगुरिया मांगीलाल बोराणा, मुकेश के व्यास, गोविंद मामडोली, विरदी दास पेशवा सुरेश चाडा इत्यादि मुख्य सहयोगी थे। इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने में मुख्य गणमान्य व्यक्ति द्वारकादास गोयल, रामचंद्र गोयल, लक्ष्मीनारायण गोयल, संपतलाल भैरूंदिया, रतन पेशवा, ओमप्रकाश गुरगुरिया ओमप्रकाश चांदोरा, लुणदास भेरुदिया, अमरचंद चांदोरा, मोहनदास पेशवा, जुगल किशोर गोयल, अर्जुन टाक, देवदास शर्मा, श्रवण चांदोरा, प्रेम प्रकाश चाष्टा, राजेश मालवीय, बालकिशन चाष्टा, पवन पेशवा, राजेंद्र राजमणि, गजेंद्र गोरवाल, किशोर गोयल, जुगल किशोर चाष्टा, सत्यनारायण गोयल, रामदास जी बोराणा, शिव प्रकाश गोयल, योगेश बोराणा, चंदन गोयल, अचल गुरगुरिया, विक्रम गोयल, ऋषभ गोयल, ईश्वर बोराणा, विशाल रांकावत, जितेंद्र बोराणा, मनीष तुकारिया, विक्रम पेशवा, मोहित चाष्टा,सोनु चाष्टा के अलावा मातृशक्ति लक्ष्मी देवी चांदोरा भारती गोयल, सलोनी गोयल उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अंत में छात्रावास के सचिव लीलाधर गोयल द्वारा आगंतुकों का धन्यवाद ज्ञापित किया और शिक्षण संस्थान एवम छात्रावास के विकास कार्यों से अवगत कराया। कोषाध्यक्ष छगन पेशवा द्वारा सभी मेहमानों को, मिठाईयां खिलाकर व जलपान करा कर विदा किया।

प्रजापति युवा शक्ति संगठन के तत्वाधान में नामजद आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर रैली निकाली, धरना प्रर्दशन 22 को

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। प्रजापति युवा शक्ति संगठन के तत्वाधान में पीड़ित परिवार के चाहत में आज एसडीएम साहब बाड़मेर को सी आर नंबर 23/ 2022 पुलिस थाना महिला बाड़मेर में नामजद लाल बाबा देव नारायण दास मुलजिम को गिरफ्तार करने बाबत ज्ञापन सौंपा। और कहा कि 27/1 / 2022 को महिला थाने में एफ आई आर दर्ज कराने के बावजूद भी आज 8 महीने बीत जाने के बावजूद भी मुलजिम की गिरफ्तारी नहीं हुई है इसलिए आगामी 22/8/ 2022 को सुबह 9:00 बजे मारू छात्रावास रामनगर बाड़मेर से मावर छात्रावास बलदेव नगर होते हुए जिला पुलिस अधीक्षक महोदय को ज्ञापन देकर जब तक मुलजिम की गिरफ्तारी नहीं होती है तब तक वहीं पर धरना दिया जायेगा। श्रीमान जी से निवेदन है उचित सुरक्षा प्रदान करने की कृपा करें ताकि कानून की पालना व शांति व्यवस्था बनी रहे। बाड़मेर जिले के हर तहसील हरगांव जाकर समाज बंधुओं को बैनर देखकर वह 36 कौम से निवेदन किया कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में 22 तारीख को सुबह 9:00 बजे जरूर जरूर पधारें और इस पीड़ित परिवार को न्याय दिलाएं। प्रजापति युवा शक्ति संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नारायण प्रजापति नागौर शिव तहसील अध्यक्ष पन्ना राम प्रजापति सक्रिय कार्यकर्ता रमेश प्रजापति मगराज प्रजापति पीड़ित परिवार के साथ में तत्पर खड़े हैं। उक्त जानकारी क्षेत्रीय पत्रकार दिलीप सैन ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

गेबना पीर मेला 21 अगस्त रविवार को मनाया जायेगा

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर। दरगाह हजरत गेबना पीर,अब्दुल रहमान शाह, का उर्स मेला 21 अगस्त रविवार को मनाया जायेगा। बीकानेर शहर सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में जायरीन पैदल और वाहनों से आते हैं। यह जानकारी दरगाह हजरत गेबना पीर मुजावीर सेवा समिति मौहल्ला कुरैशियान के दरगाह मुजावीर खुरशीद मोहम्मद सचिव वसीम कुरैशी ने दी है। उर्स बीकानेर से 9 किलोमीटर दूर चावड़ो की बस्ती के पास मनाया जायेगा।कमेटी के मौजिज मेम्बर की मीटिग में यह फैसला लिया गया है। इस मीटिंग में यह मेम्बर मौजूद थे। दाऊद गोरी देशनोक, साबीर गोल्डी, तनवीर अहमद, इन्तेखाब पिन्टू, मो, खालिद घल्लू, राशीद भुट्टा लाला,

तालीब हसन एडवोकेट, इदरीश मोहम्मद, मेला कमेटी मइनुदीन भिश्ती, परवेज अहमद, अरशद क्रैशी, राजु खां, खैरदीन खां, सफदर अब्बाश, पीर मइनुदीन कुरैशी, अशफाक अली, आरिफ मौलानी, चांद अली रंगरेज देशनोक, आदि शामिल थे।

सेना के जवान की गोली मारकर हत्या

बिहार की राजधानी पटना में हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। कंकड़बाग में सेना के जवान बबलू कुमार की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस मामले की जांच-पड़ताल में जुटी है और सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है। पुलिस का कहना है कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। मृतक के परिजन भी मौके पर पहुंच गए। सेना के जवान की हत्या क्यों की गई, इसकी वजह फिलहाल सामने नहीं आई है। मृतक जवान बबलू कुमार की अरुणाचल प्रदेश में पोस्टिंग थी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

चेहरा धोते समय रखें इन बातों का ध्यान

चेहरा धोना शरीर की साफ-सफाई का सबसे अहम हिस्सा है। लंबे समय से लोग अपना चेहरा धोने के लिए कोई न कोई पारंपरिक उत्पाद प्रयोग करते रहे। समय बदला और आज लोग और फेसवॉश जैसी चीजें इस्तेमाल करने लगे हैं जिनमें रसायनों का काफी प्रयोग होता है। इसलिए वक्त है कि हम जान लें चेहरा धोने के दौरान कौन सी सावधानियां रखनी चाहिए।

अपनी त्वचा के अनुसार चुनें

चेहरे की त्वचा बहुत मुलायम होती है इसके बावजूद हर व्यक्ति की त्वचा अलग होती है। जरूरी नहीं कि जो साबुन या फेसवॉश किसी और को सही लगा वह आपको भी फायदा करेगा। इसलिए ऐसी चीज चुनें जो हल्के असर वाली हो। एक गलतफहमी है कि जितना झाग निकलेगा चेहरा उतना साफ होगा। पर है इसका उलटा, ज्यादा झाग निकलने का मतलब इसमें डिटरजेंट कंटेंट ज्यादा है जो आपकी मुलायम स्किन को नुकसान पहुंचा सकता है।

पानी न ज्यादा ठंडा

न ज्यादा गरम

जिस पानी से हम अपना चेहरा धोने जा रहे हैं उसका तापमान संतुलित होना चाहिए। उसे न तो बहुत ज्यादा गरम और न बहुत ठंडा होना चाहिए। ऐसा न होने पर चेहरे की त्वचा को नुकसान पहुंच सकता है।

मेकअप हटाने के लिए फेसवॉश नहीं

मेकअप हटाने के लिए फेसवॉश की जगह रिमूवर या अच्छे मॉइश्चराइजर का प्रयोग करें। इसके बाद फेसवॉश लगाएं। कुछ लोग क्लेंजर, टोनर फिर मॉइचराइजर लगाते हैं।

जरूरी नहीं दूध, दही वास्तव में कारगर हों

कुछ लोग बाजार से फेसवॉश खरीदने की जगह घर पर दही और दूध से चेहरा साफ करते हैं। लेकिन कभी-कभी इनसे चेहरा ठीक से साफ नहीं होता और ब्लैक हेड की समस्या हो जाती है। साबुन भी अच्छा विकल्प नहीं है क्योंकि उनका पीएच बैलेंस्ड नहीं रहता है। कोई भी नया फेसवॉश कोई और प्रॉडक्ट इस्तेमाल करने से पहले उसे अपने कान के पीछे की त्वचा पर लगा कर 48-72 घंटे तक देखना चाहिए। अगर यह आपको नुकसान नहीं पहुंचाता तो इसे इस्तेमाल कर सकते हैं।

ओट्स आपकी स्किन को बनाएं हेल्थी और ब्यूटीफुल

ओट्स या जई सेहत के लिहाज से सुपरफूड के नाम से जाने जाते हैं। इनके बारे में कहा जाता है कि ओट्स का चूरा या ओट मील खाने से डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर या नर्वस सिस्टम की परेशानियां सभी चीजों में राहत मिलती है। लेकिन ओट्स जितने आपके सेहत के लिए फायदेमंद हैं उतने ही आपकी खूबसूरती में भी चार चांद लगा सकते हैं, बशर्ते आपको इनका सही इस्तेमाल आता हो।

आपकी स्किन का ग्लो लौटाते हैं

धूप, धूल और धुएं के वार से हमारी स्किन खासकर चेहरे को बहुत नुकसान पहुंचता है। यह रूखी और बेजान सी हो जाती है। इससे ही चलकर बाद में खुजली और इन्फेक्शन की समस्या पैदा होती है। लेकिन अगर हम अपने किचन में मौजूद सुपरफूड ओट्स से एक ब्यूटी पैक बनाएं और उसे चेहरे पर लगाएं तो न केवल हमारी स्किन की चमक वापस लौटेगी बल्कि वह और स्वस्थ हो जाएगी।

कैसे बनाएं यह ब्यूटी पैक

एक कप सूखे ओट्स को ग्राइंडर में पीसने के बाद उसे गरम पानी से भरे बाथटब में डालिए। पानी में अपनी पसंद का रोज, चंदन या लैवेंडर ऑइल डालिए। अब इस पानी में 10 से 15 मिनट बैठिए। पानी से बाहर निकल कर नरम तौलिए से शरीर पोंछिए। हफ्ते में दो बार ऐसा करें।

बेहतरीन स्किन क्लैंजर है ओट्स

अपने रूखेपन की वजह से ओट्स बहुत अच्छे स्क्रब साबित होते हैं। इसलिए अपने फेस वॉश से चेहरा साफ करने या पार्लर जाकर केमिकल फेस वॉश का इस्तेमाल करने से अच्छा है कि आप अपने घर पर ही यह स्क्रब बनाएं।

इसके लिए आप एक टेबलस्पून दही में एक टेबलस्पून ओट्स पाउडर मिलाएं। कुछ बूंदे शहद की डाल कर एक पेस्ट बनाएं। इसे अपने चेहरे पर 15 मिनटों के लिए लगाएं इसके बाद गुनगुने पानी से धो डालें। आप इसमें दही की जगह एक टेबलस्पून दूध, कुछ शहद और ऑलिव ऑइल मिलाकर पेस्ट बनाएं। ध्यान रहे कि ओट्स को बहुत बारीक न पीसें वरना उचित लाभ नहीं मिलेगा।

जानिए कौन सा तेल है खास आपके बालों के लिए

बचपन से हमारी मां, दादी या नानी हमें बालों में तेल लगाने के लिए कहते आए हैं। जैसे-जैसे हम बड़े होते गए हमें यह बीते जमाने की बात लगने लगी, पर दरअसल ऐसा है नहीं। आज वैज्ञानिक भी बालों में तेल लगाने के फायदों का जिक्र करने लगे हैं। पर यह जानना ज्यादा जरूरी है कि आपके बालों के हिसाब से कौन सा तेल आपके लिए ज्यादा फायदेमंद है। जब हम अपने सिर में तेल की मालिश करते हैं तो तेल हमारे सिर की त्वचा में अंदर तक जाता है। इससे तेल हमारे बालों की जड़ों तक पहुंचता है और जड़ से अंतिम सिरे तक बालों को पोषण मिलता है। मालिश से हमारे सिर में खून का संचार बढ़ता है जिससे बाल मजबूत होते हैं। अब आइए जानते हैं कि अलग-अलग किस्म के बालों के लिए कौन सा तेल बेहतर है:

हल्के बालों के लिए वर्जिन कोकोनट ऑइल

जिन लोगों के बाल हल्के होते हैं उन्हें ऐसे तेल की जरूरत होती है जो ज्यादा चिपचिपा और भारी न हो, क्योंकि ऐसा तेल लगाने से हल्के बाल आपस में चिपक जाते हैं। इसलिए हल्के बालों के लिए वर्जिन कोकोनट ऑइल या रोजमैरी ऑइल अच्छा माना जाता है। यह हल्का है साथ ही चिपचिपा भी नहीं है इससे यह आपके बालों को बिना आपस में चिपकाए उन्हें पूरा पोषण देता है।

मोटे बालों के लिए ऑलिव ऑइल

ऑलिव ऑइल में मौजूद एंटीऑक्सिडेंट और ओमेगा-3 फैटी एसिड मोटे बालों में चमक लाते हैं और उन्हें और भारी बनाकर आपका लुक नहीं खराब करते।

घुंघराले बालों के लिए बादाम तेल

बादाम के तेल में विटमिन ए, बी और ई बहुत अधिक मात्रा में होते हैं इसलिए ये आपके घुंघराले बालों के लिए एक दम परफेक्ट है। यह दोमुंहे बालों की समस्या को दूर करता है, ब्लड सकुर्लेशन बढ़ाता है, बालों में चमक लाता है।

बेजान बालों के लिए अनार के बीजों का तेल

अनार के बीजों में ट्राइकोसैनिक एसिड होता है जो बेजान बालों में नई चमक और लचीलापन लाता है। इसे लगातार लगाने से बाल चमकदार और स्वस्थ बनते हैं।

चेहरे से ऐसे हटाएं डार्क स्पॉट्स

डार्क स्पॉट्स या ब्लैक स्पॉट्स काले, भूरे या लाल रंग के धब्बे होते हैं जो चेहरे से लेकर हाथ-पैरों तक पर रहते हैं। ये आपकी खूबसूरती को तो कम करते ही हैं, स्किन की हेल्थ भी गिराते हैं, लेकिन घर बैठे कम समय में इनका सलूशन करना मुमकिन है। आप अपने किचन में रखी चीजों से ही डार्क स्पॉट्स से निजात पा सकते हैं। इनकी मदद से डार्क स्पॉट्स तो घटेंगे ही, स्किन ग्लो करने लगेगी और हेल्दी रहेगी।

नींबू का रस

नींबू के रस की ऐसिडिटी ब्लीचिंग एजेंट का काम करती है और चेहरे के अलग-अलग कलर्स को बराबर करता है। इसके लिए कॉटन बॉल से दिन में दो बार नींबू का रस लगाएं। हालांकि, पहले टेस्ट कर लें कि कहीं नींबू के रस के लिए आपकी स्किन सेंसिटिव तो नहीं।

एलोवेरा

एलोवरा की पत्ती को अपने चेहरे पर लगाएं। इसमें ऐंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं जो आपकी स्किन के लिए अच्छे होते हैं।

आलू

आलू के स्लाइस काट लें और फिर निशान पर रख दें। कुछ मिनट बाद गुनगुने पानी से धो लें। आलू को शहद में मिलाकर चेहरे पर लगा सकते हैं। इससे भी स्पॉट्स घटते हैं।

डेयरी प्रॉडक्ट

यॉगर्ट या बटरमिल्क जैसे प्रॉडक्ट्स में मौजूद ऐसिड से स्किन एक्सफोलिएट होती है। इसे लगाकर 15-20 मिनट के लिए छोड़ दें और फिर धो दें। चार चम्मच बटरमिल्क में दो चम्मच टमाटर का रस डालें। इन्हें चेहरे पर लगाकर 15 मिनट बाद धो दें।

हल्दी

दो चम्मच, थोड़े से दूध और नींबू के रास को मिलाकर स्पॉट्स के ऊपर लगाएं। कुछ मिनट बाद गुनगुने पानी से धो दें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

करण जौहर की वजह से अनन्या पांडे को मिली 'लाइगर'?

विजय देवरकोंडा और अनन्या पांडे इन दिनों अपनी फिल्म 'लाइगर' के प्रमोशन में बिजी हैं। फिल्म के गाने और टीजर को दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। लेकिन इस बीच ऐसा बयान सामने आया है कि आपको भी झटका लग जाएगा। जी हां, 'लाइगर' के डायरेक्टर पुरी जगन्नाथ की पहली चॉइस अनन्या नहीं बल्कि जान्हवी कपूर थीं। वह तो श्रीदेवी की बड़ी बेटी को इस फिल्म के लिए कास्ट करना चाहते थे। लेकिन फिर करण जौहर की वजह से कुछ बदलाव हुए। विजय की इस फिल्म के लिए पहली चॉइस अनन्या पांडे नहीं बल्कि जान्हवी कपूर थीं। फिल्म के डायरेक्टर पुरी जगन्नाथ ने अपने लेटेस्ट इंटरव्यू में इस बात का खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि जान्हवी उनकी पहली चॉइस थीं, क्योंकि वह उनकी मां श्रीदेवी के बहुत बड़े फैन हैं। उन्होंने कहा वह जान्हवी को कास्ट करना चाहते थे, लेकिन उनकी पास डेट्स नहीं थी। ऐसे में दर्शकों के लिए यह देखना दिलचस्प होगा बड़े पर्दे पर कब विजय देवरकोंडा और जाह्नवी की जोड़ी दिखती है। बातचीत में पुरी जगन्नाथ ये भी बताया कि जब जान्हवी कपूर के साथ डेट्स का इशु हो रहा था तो वह डायरेक्टर और इस फिल्म के प्रोड्यूसर करण जौहर के पास सलाह लेने पहुंचे कि 'लाइगर' के लिए वह किस हीरोइन को कास्ट करे। वह जिसे लेना चाहते थे उनके पास डेट्स का इशु है। पुरी जगन्नाथ के पूछने के बाद करण जौहर ने डायरेक्टर से कहा कि वह इसकी कहानी सुनाए। फिर पूरा प्लॉट सुनने के बाद करण जौहर ने सजेशन दिया कि वह इस रोल के लिए अनन्या पांडे को भी कास्ट कर सकते हैं। फिर कुछ इस तरह जान्हवी के बदले अनन्या को 'लाइगर' में जगह मिल गई।

स्वरा भास्कर ने लाल सिंह चड्ढा के सर्पोट में कही ये बात

आमिर खान की फिल्म लाल सिंह चड्ढा का विरोध उसके टीजर के साथ ही शुरू हो गई था, अब फिल्म की रिलीज के बाद भी विरोध रुकने का नाम नहीं ले रहा है। सोशल मीडिया पर आमिर खान के पिछले बयानों की वजह से लोगों का कहना है कि वह अभिनेता की फिल्म को चलने नहीं देंगे। वहीं फिल्म इंडस्ट्री के सितारें एक के बाद एक लाल सिंह चड्ढा का खुलकर समर्थन कर रहे हैं। ऋतिक रोशन, एकता कपूर के बाद अब हर मामले पर तीखी बयानबाजी करने वाली स्वरा भास्कर ने भी आमिर का समर्थन किया है। लाल सिंह चड्ढा का जहां हर तरह विरोध देखने को मिल रहा है वहीं बॉलीवुड स्टार्स मूवी की खूब तारीफ कर रहे हैं। ऋतिक रोशन, सुष्मिता सेन, एकता कपूर, मिलिंद सोमन जैसे कलाकारों ने फिल्म की जमकर तारीफ की थी। वहीं अब स्वरा भास्कर ने आमिर खान और करीना कपूर स्टारर लाल सिंह चड्ढा देखने के बाद आमिर खान के सपोर्ट में ट्वीट किया। अभिनेत्री स्वरा भास्कर ने अपने ट्वीट में लिखा, लाल सिंह चड्ढा देख रही हूं। ये मेरे दिल के धागों को बुनती जा रही है। कहना होगा कि आमिर खान एक बहुत ही हैंडसम सिख बने हैं। साथ ही थोड़ा सा लाल और थोड़ी सी रूपा मिलकर बहुत क्यूट लग रहे हैं। मोना सिंह ने तो दिल जीत लिया है। मुकेश छाबड़ा ने कास्टिंग के मामले में गजब का काम किया है। स्वरा का ये ट्वीट सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है।

ऋतिक की 'कृष 4' कहानी लेगी नया मोड़

ऋतिक रोशन की 'कृष' हिंदी फिल्मों की इकलौती सुपरहीरो फिल्म है, जो लोगों को पसंद आई है। 'कृष' का हर पार्ट सुपरहिट रहा है। शायद ही ऐसा कोई होगा, जो 'कृष' के बारे में यह कह सके कि ये कहीं से भी किसी मायने में कम है। ऋतिक रोशन की ये धमाकेदार पेशकश अब भी फैंस के जहन में बसी हुई है। हर पार्ट के साथ एक अलग कहानी है, जो फैंस को बेहद पसंद आती है। जब से 'कृष' का पार्ट 3 आया है, तब से सभी को बस इसके अगले पार्ट का इंतजार है और अब इसपर जो अपडेट आया है वो काफी दिलचस्प है। 'कृष 4' की कहानी वहीं से शुरू होगी, जहां 'कृष 3' की खत्म हुई थी। जब से ऋतिक रोशन ने पिछले साल अपनी फेमस 'कृष' फ्रेंचाइजी के अगले पार्ट की घोषणा की है, तब से फिल्म को लेकर काफी चर्चा है। अब एक नई रिपोर्ट के मुताबिक, 'कृष 4' की कहानी वहीं से शुरू होगी जहां पर फिल्म का पार्ट 3 खत्म हुआ था। हालांकि, यह तीसरे पार्ट की कहानी को आगे ले जाएगा, लेकिन यह नए कैरेक्टर्स और रोमांचक ट्विस्ट के साथ एक पूरी तरह से अलग दुनिया में बनेगी। राकेश रोशन इसकी स्क्रिप्ट लिख रहे हैं और फिलहाल फिल्म के जरूरी हिस्सों पर काम कर रहे हैं। एक बार जब वह स्क्रिप्ट को अंतिम रूप दे देंगे, तो कास्टिंग पर काम शुरू हो जाएगा।